वार्तालाप-577 नागपुर-2, दिनांक 29.05.08
Disc.CD No.577, dated 29.5.08 at Nagpur-2
Extracts-Part-1

समयः 09.15-11.58

जिज्ञासुः बाबा, जो छोटी मम्मी है, वो उम्र से, शरीर चोले से बड़ी है और बड़ी मम्मी जो है वो शरीर चोले से छोटी है। तो आदि में यही दो आत्माएं शरीर के उम्र से कौन बड़े थे और कौन छोटे थे?

बाबाः यहाँ कोई ज्योतिषि बैठा हुआ है क्या? अरे दुनियां में ये चलन है कि जो उमर में ज्यादा होता है उसकी ओर आकर्षण कम होता है और जो उमर में कम होता है उसकी ओर आकर्षण देहभान के कारण ज्यादा हो जाता है। राज करेगा खालसा। सारी दुनियां में खालसा कौनसे धर्म में होता है? (सबने कहा - सिक्ख।) तो सिक्ख धर्म से निकला हुआ खून, जिस खून के लिए अव्यक्त वाणी में बोला है कि पंजाब की धरणी कन्यादान में सबसे आगे चली गई। उसका महत्व है या नहीं है? है। लेकिन देहअभिमान होने के कारण राज करेगा खालसा। देहअभिमान होने के कारण चिकना मुँह बिल्लियाँ चाटती हैं। बुद्धि ही पलट देती हैं।

Time: 09.15-11.58
Student: Baba, now the junior mother is elder from the point of view of the physical body, age and the senior mother is younger from the point of view of physical body. So, which of these two souls was elder and which was younger from the point of view of the physical age in the beginning [of the *yagya*]?
Baba: Is any astrologer sitting here? ☺ *Arey*, it is the practice in the world that people are less attracted towards the one who is aged and people are pulled more towards the one who is younger in age due to body consciousness. *Raaj karega khalsa* (*Khalsa* shall rule). *Khalsa* exist in which religion of the entire world? (Everyone said – Sikhism.) So, the blood that has emerged from Sikhism, for which it has been said in the avyakta vani that the land of Punjab went ahead of everyone in donation of virgins (*kanyadaan*); so, does it hold any importance or not? It does. Because of having the body consciousness [that] the *Khalsa* shall rule; because of body consciousness the cats lick the smooth face. They change the intellect itself.

सारे ही ब्राह्मण परिवार के ऊपर वो राज्य करेगी। आखरीन पूरे ब्राह्मण परिवार में ये स्थिति आ जाएगी 'जय माँ काली, जय माता दी'। फिर बिल्कुल आखिर में जा करके... सीढ़ी में क्या दिखाया है? डूबी जा, डूबी जा। आखरीन सत्य बाप प्रत्यक्ष होगा और जो भी गुरु गुरुडम आदि है, जो भी देहधारी हैं वो सब पराभव को प्राप्त हो जावेंगे। इसलिए देहअभिमानी जो हैं वो देह के ऊपर आकर्षित हो जाते हैं। जो आत्माभिमानी मुट्ठी भर सूर्यवंशी आत्माएं होंगी वो कभी भी देह के ऊपर आकर्षित होने वाली नहीं बनेंगी।

She shall rule over the entire Brahmin family. Ultimately a situation will emerge in the entire Brahmin family [that they will shout] '*Jai ma Kali, Jai mata di'* (victory to mother Kali, victory to the Mother). Then in the very end; what has been shown in the Ladder? Drown, drown (*doobi*

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

ja, doobi ja). Ultimately the true Father will be revealed and all the gurus, *gurudoms* (rule of the gurus), etc., all the bodily beings will fade away; this is why the body conscious ones are pulled towards the body. The soul conscious ones, the handful of *Suryavanshi* souls will never be pulled to the body.

समयः 12.03-12.58

जिज्ञासुः बाबा, मुरली में कहा है कि जब योगी थे तो 150 वर्ष आयु थी, जब भोगी बन गए तो गर्भ में मरते हैं। इसका अर्थ क्या है?

बाबाः इसका अर्थ ये है कि आत्मिक स्थिति है तो आयु लम्बी है क्योंकि आत्मा रूपी बीज पावरफुल है और जब आत्मा रूपी बीज देह, मिट्टी में मिल जाता है, मिट्टी का असर हो जाता है तो ताकत कम हो जाती है। आत्मा देहभानी है तो उमर भी कम हो जाती है। आत्मा जितनी आत्माभिमानी है उतनी उमर भी लंबी हो जाती है। बीज जितना पावरफुल होगा उसका वृक्ष भी लंबे टाइम तक जीने वाला होगा और बीज कमजोर होगा तो उसका वृक्ष भी कम समय तक जीवित रहने वाला होगा।

Time: 12.03-12.58

Student: Baba, it has been said in the murli: When they were *yogis*, their age was 150 years; when they became *bhogis* (pleasure-seekers) they die in the womb itself. What does it mean?

Baba: It means that when there is soul conscious stage, the life span is long because the seed like soul is powerful and when the seed like soul mixes with the body, with the soil, when the soil casts its influence, then the power reduces. When the soul is body conscious, then the age also decreases. The more a soul is soul conscious, the age increases to that extent. The more powerful a seed is, the longer the tree shall be and the weaker the seed is its tree will live for a lesser period.

समयः 15.30-16.30

जिज्ञासुः बाबा मुरली में बोला है कि जो रोते हैं वो खोते हैं।

बाबाः बिल्कुल। भगवान आया हुआ है तो खुश होना चाहिए या रोना चाहिए? (किसीने कहा - खुश होना चाहिये।) अरे खुशी का सागर आया हुआ है। सुख का सागर आया हुआ है। सुख का सागर दुःख देगा या सुख देगा? सुख ही सुख देगा। तो फूल के गरगोटा हो जाना चाहिए।

दूसरा जिज्ञासुः कभी-कभी ऐसा तो होता है बाबा बाप को देखके एकदम आँसू आ जाते हैं क्यों?

बाबाः वो बात अलग है। वो खुशी के आँसू आते हैं या दुःख के आँसू आते हैं? (सभी-खुशी के।) कोई बहुत दिनों के बाद मिलता है... कोई बच्चा है, माँ-बाप से बिछुड़ गया और बड़े लम्बे समय के बाद, बीसियों वर्षों के बाद फिर माँ-बाप से मिलता है, तो बच्चे को देख करके माँ-बाप के आँसू आएंगे या नहीं आयेंगे? आएंगे। तो खुशी के आँसू हैं कि असम्भव बात सम्भव हो गई।

Time: 15.30-16.30

Student: Baba, it has been said in the murli that those who cry lose.

Baba: Definitely. When God has come, should you be happy or should you cry? (Someone said: we should be happy.) *Arey*, the ocean of joy has come. The ocean of happiness has come. Will

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

the ocean of joy give sorrow or joy? He will give only happiness. So, you should bloat up in happiness.
Another Student: Baba sometimes it happens that we get tears on seeing the Father; why?
Baba: That is a different subject; are they tears of joy or tears of sorrow? (Everyone: of happiness.) [Suppose,] someone meets you after a long time... There is a child; he was separated from his parents and meets his parents again after a long period, after 20 years, so, will the parents get tears on seeing the child or not? They will get. So, these are tears of joy, that something impossible has become possible.

समयः 18.35-19.08

जिज्ञासुः बाबा, सतयुग में सबको पद देकर बाबा कहाँ जाएंगे?

बाबाः सबको पद कहाँ देंगे? 500-700 करोड़ सबको पद कहाँ मिलता है? हाँ, 500 करोड़ की जो माला है उसमें सबको अपना-अपना पद मिल जाएगा। पद माना नंबर।

दूसरा जिज्ञासुः बाबा, उसके बाद बाबा कहाँ जाएगा पूछ रहे हैं ना।

बाबाः बाबा परमधाम में जाएगा और कहाँ जाएगा? बाबा परमधाम में पहले नंबर में नहीं जाएगा? जाएगा। बाबा के पीछे-पीछे सब जाएंगे।

Time: 18.35-19.08
Student: Baba, after giving posts to everyone in the Golden Age where will Baba go?
Baba: He will not give posts to everyone. All the 500-700 crore (5-7 billion) don't get a post. Yes, everyone among the rosary of 500 crore will get their respective posts. Posts means ranks.
Another Student: He is asking: where will Baba go after that?
Baba: Baba will go to the Supreme Abode. Where else will He go? Will Baba not go to the Supreme Abode first of all? He will go. Everyone else will follow Him.

समयः 19.10-20.50

जिज्ञासुः बाबा तानसेन में इतनी पवित्रता थी कि उसने अपनी पवित्रता से संगीत में इतना श्रेष्ठ स्थान पा लिया था कि वो इतना श्रेष्ठ बन गया कि कभी उसको कोई हरा नहीं सका। इसलिए उसे अहंकार आ गया। मगर जब बैजू बावरा की उसके साथ प्रतियोगिता लगाई तो बैजू बावरा ने उसे हरा दिया।

बाबाः हाँ।

जिज्ञासुः तो उसमें श्रेष्ठ कौन? तानसेन, जिसमें पवित्रता थी या बैजू बावरा?

बाबाः तानसेन में पवित्रता कैसे होगी? जो पवित्रता वाली आत्मा होगी वो राजा होगी या राज सभासद होगी? अरे पवित्र आत्माएं राजा बनती हैं या उनकी सभासद बनती हैं? पवित्र आत्माएं राजा बनती हैं। न तानसेन ज्यादा प्यूरिटी वाला था न बैजू बावरा ज्यादा प्यूरिटी वाला था। दोनों किसके सामने झुकते थे? (सबने कहा - राजा।) राजा के सामने झुकते थे। तो जिसके सामने झुकते होते हैं, तो प्योरिटी झुकती है या इम्प्यूरिटी झुकती है? (सबने कहा - इम्प्युरिटी।) इम्प्यूरिटी झुकती है।

जिज्ञासुः मगर वो माहौल पूरा चेंज कर देते थे ना बाबा।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः अकबर को चेंज करके दास बना ले। ये उपन्यास वुपन्यास पढ़ना बंद कर दो। नहीं तो वो ही बातें देहधारियों की बुद्धि में चलती रहेंगी। शिवबाबा भूल जाएगा। पकड़ना है ऊँच ते ऊँच को और बुद्धि पकड़ लेगी नीच लोगों को।

Time: 19.10-20.50
Student: Baba, Tansen[1] was so pure that he achieved such a great position in music through purity that nobody could ever defeat him. This is why he became egotistic. But when he competed with Baiju Bawra, he was defeated by him.
Baba: Yes.
Student: So, who is greater between them? Is it Tansen, who was pure or is it Baiju Bawra?
Baba: How can Tansen have purity? Will a pure soul be a king or will it be a royal courtier? *Arey*, do the pure souls become kings or do they become their courtiers? Pure souls become kings. Neither Tansen had more purity nor did Baiju Bawra have more purity. Before whom did both of them use to bow? (Everyone said: King.) They used to bow before the king. So, the ones before whom they used to bow… Does purity bow or does impurity bow? (Everyone said: Impurity.) Impurity bows.
Student: But Baba he used to change the entire atmosphere [with his music].
Baba: Let him change Akbar and make him his servant. Stop reading these novels. Otherwise, your intellect will be busy thinking about those bodily beings. You will forget Shivbaba. We have to catch the highest one and the intellect will catch the low ones. .... (to be continued.)

Extracts-Part-2

समयः 23.35-24.55

जिज्ञासुः बाबा मीरा ने इतना भक्तिमार्ग में कृष्ण को प्यार किया। तो अभी वो ज्ञान में आई होंगी क्या?

बाबाः अच्छा, मीरा विष नहीं पीती है? अरे मीरा विष पीती है कि नहीं? (जिज्ञासु - हाँ।) विष का प्याला राणाजी भेज्यो सो सुन मीरा हाँसी रे। खुशी हो जाती है। खुशी-खुशी विष पीती है। वो पार्ट अभी कहाँ बजता है? (जिज्ञासु - संगमयुग में।) संगमयुग में वो पार्ट बजता है। अरे महाकाली और महाकाल का पार्ट क्या है? विष पीने का है या अमृत पीने का है? (जिज्ञासु - विष।) विष पीती है। ये आसुरी बच्चे हैं जो कन्याएं-माताएं विष ना पीना चाहें तो भी विषयी विकारी बनाते हैं।

जिज्ञासुः मीरा ने तो विष का प्याला कृष्ण भगवान की याद में पीया।

बाबाः तो भगवान की याद से पीयेंगी तभी तो शंकर भगवान महाकाली के मस्तक में बैठे हुए दिखाये जाते हैं। बिना याद के बैठे हुए दिखाए जाएंगे क्या? अरे मस्तक में याद होगी तभी तो बैठे हुए चित्र में दिखाए हैं।

[1] a Courtier and Royal musician in the Court of Emperor Akbar

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 23.35-24.55
Student: Baba, Meera loved Krishna so much in the path of *bhakti*. So, has she come in the knowledge?
Baba: *Accha*, doesn't Meera drink poison? *Arey*, does Meera drink poison or not? (Student: Yes.) *Vish ka pyala ranaji bhejyo so sun Meera haansi re.* (The king sent a bowl of poison. Hearing this, Meera smiled) She becomes happy. She drinks the poison happily. Where is that part played now? (Student: In the Confluence Age.) That part is played in the Confluence Age. *Arey*, what is the part of Mahakali and Mahakal? Is it to drink poison or nectar? (Student: Poison.) She drinks poison. It is the demonic children who make the virgins and mothers vicious even if they do not wish to drink the poison.
Student: Meera drank the bowl of poison in the remembrance of God Krishna.
Baba: So, God Shankar is shown sitting on the forehead of Mahakali only when she drinks [the poison] in the remembrance of God. Will he be shown sitting [on the forehead of Mahakali] without her remembering him? *Arey*, there is [his] remembrance in the forehead only then has he been shown sitting [on her forehead] in the picture, [hasn't he?]

समयः 25.00-25.55

जिज्ञासुः बाबा, ये बच्चा कहता है , आत्मा कहता है कि गुल्ज़ार दादी के तन में शिवबाबा आते हैं तो दूसरे दादी के तन में क्यों नहीं आते?

बाबाः गुल्ज़ार दादी के तन में शिवबाबा आते हैं ये बच्चा कहता है, आप भी कहते हैं। ☺

जिज्ञासुः नहीं। ब्रह्मा बाबा। गुल्ज़ार दादी के तन में ब्रह्मा बाबा आते हैं तो दूसरे दादी के तन में क्यों नहीं आते?

बाबाः अच्छा तीसरी दादी के तन में नहीं आ सकते? चौथी दादी के तन में और दादाओं के तन में नहीं आ सकते? मुरली में तो बता दिया है कि बापदादा बच्चों में प्रवेश कर सकते हैं, लेकिन शिवबाबा का सिर्फ एक ही मुकर्रर रथ है। शिवबाबा सब बच्चों में प्रवेश नहीं करते। लेकिन ब्रह्मा की आत्मा बहुत बच्चों में प्रवेश कर सकती है। हाँ, कोई में अव्वल नंबर में प्रवेश करेगी। तो वो कौन हुआ? गुल्ज़ार दादी।

Time: 25.00-25.55
Student: Baba, this child, this soul says that when Shivbaba comes in the body of Gulzar *dadi*, why doesn't He come in the body of any other *dadi*?
Baba: This child says that Shivbaba comes in the body of Gulzar *dadi*. You say that, too. ☺
Student: No. Brahma Baba. Brahma Baba comes in the body of Gulzar *dadi*; so, why doesn't he come in the body of any other *dadi*?
Baba: *Accha*, can't he come in the body of a third *dadi*? Can't he come in the body of a fourth *dadi* and in the body of *dadas*? It has been said in the murli that Bapdada can enter the children, but Shivbaba has only one permanent chariot. Shivbaba does not enter in all the children. But Brahma's soul can enter in many children. Yes, he will enter in someone first (mainly). So, who is it? Gulzar *dadi*.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समयः 27.10-27.38

जिज्ञासुः बाबा, शंकरजी के मस्तक में तो आधा चन्द्रमा दिखाते हैं। तो महाकाली...

बाबाः शंकरजी के मस्तक में आधा चन्द्रमा दिखाते हैं। तो?

जिज्ञासुः महाकाली के मस्तक पर भी आधा चन्द्रमा दिखाते हैं।

बाबाः महाकाली के मस्तक में भी आधा चन्द्रमा दिखाते हैं। दोनों में ही ब्रह्मा की सोल प्रवेश करती है। लेकिन अधूरी सोल प्रवेश करती है या संपूर्ण सोल प्रवेश करती है? (सभी-अधूरी।) उसी की यादगार है।

Time: 27.10-27.38
Student: Baba, a half moon is depicted on the forehead of Shankar. So Mahakali…
Baba: Half moon is shown on the forehead of Shankarji. So?
Student: A half moon is depicted on the forehead of Mahakali as well.
Baba: A half moon is depicted on the forehead of Mahakali as well. The soul of Brahma enters both of them. But does an incomplete soul enter or does a complete soul enter? (Everyone: incomplete.) It is a memorial of that itself.

समयः 28.36-29.44

जिज्ञासुः मुरली में बोला है कि जो बिंदी है शरीर से निकलके अलग रहेगी और ये शरीर अलग रहेगा और बिंदी अलग रहेगी।

बाबाः वो तो सम्पूर्ण पुरूषार्थी बच्चों की यादगार है। सम्पूर्ण पुरूषार्थी जो बच्चे होंगे जिनका सुक्ष्म शरीर खलास हो चुका होगा, जिन्होंने मनन-चिंतन-मंथन की स्टेज से अपने पुरूषार्थ को आगे बढ़ा दिया, बिंदूरूप स्टेज में स्थिर हो गए, निःसंकल्प बन गए उनको ऐसा अनुभव होगा। जिनके संकल्प और विकल्प अभी तक भी चल रहे हैं वो तो जैसे सुक्ष्म शरीर में कार्य कर रहे हैं। बिंदूरूप बने ही नहीं हैं अभी बार-2 संकल्पों विकल्पों में बुद्धि दौड़ती रहती है। वो कैसे अनुभव करेंगे आत्मा अलग और शरीर अलग?

जिज्ञासुः वो आखरी स्टेज रहेगी।

बाबाः नहीं। आखरी स्टेज मैं आत्मा ज्योतिबिंदू और दूसरा कोई संकल्प न आए।

Time: 28.36-29.44
Student: It is said in the murli that the point will come out of the body and remain separate. The body will remain separate and the soul will remain separate.
Baba: It is the memorial of the complete *purusharthi* (spiritual effort maker) children. Those who are complete *purusharthi* children, those whose subtle body would have finished, those who advanced their *purusharth* beyond the stage of thinking and churning, those who stabilized in the point form stage, who became thoughtless, they will experience this. Those whose thoughts and bad thoughts are going on yet, it is as if they are performing tasks through the subtle body. They have not at all become point form yet; their intellect keeps running in thoughts and bad thoughts again and again. How can they experience the soul to be separate and the body to be separate?
Student: It is the final stage.
Baba: No. The final stage is "I a soul am a point of light", and no other thought should arise.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समयः 29.45-31.20

जिज्ञासुः बाबा कोई-कोई भाई बोलने के मुताबिक चलते नहीं हैं। अपनी मनमत पर चलते हैं। उसके लिए कैसे, क्या?

बाबाः तो वैरायटी झाड़ है। इस वैरायटी झाड़ में कोई कैसे हैं, कोई कैसे हैं। दुनियां में लोग जास्ती ऐसे होते हैं जो बोलते बहुत हैं और करते बहुत कम हैं। झाड़ों में भी ऐसे झाड़ बहुत होते हैं जिनमें पत्ते ही पत्ते बहुत होते हैं फूल आते ही नहीं। कोई ऐसे झाड़ होते हैं जिनमें फूल भी होते हैं पत्ते भी होते हैं। कोई ऐसे झाड़ होते हैं जिसमें फूल ही फूल दिखाई पड़ते हैं, पत्ते और फल दिखाई ही नहीं पड़ते। ऐसे ही दुनियां में मनुष्य तीन प्रकार के हैं। जैसे बादल कोई गरजते हैं, बरसते भी हैं। कोई बादल गरजते बहुत हैं, बरसते हैं ही नहीं। कोई ऐसे हैं जो बरसते ही बरसते हैं। गर्जना करते ही नहीं। तो इसमें कोई अचम्भा खाने की बात नहीं है कि ऐसे क्यों है? उनको चेंज कर सकते हैं तो करो।

Time: 29.45-31.20

Student: Baba, some brothers do not act in accordance with directions [of Baba]. They follow the opinion of their own mind. How or what should we do for that?

Baba: It is a *variety* tree. In this *variety* tree everyone is different. In the world, most of the people are such that they speak more and do very less. Even among the trees, there are many trees which have more leaves, but they do not flower at all. Some trees are such that they have flowers as well as leaves. Some trees are such that one can see only flowers on them. The leaves and the fruits are not visible at all. Similarly, people of the world are of three kinds. For example, some clouds thunder as well as rain. Some clouds thunder a lot, but do not rain at all. Some are such that they only rain. They do not thunder at all. So, there is nothing to be surprised that why is it so? Change them if you can.

समयः 31.25-32.30

जिज्ञासुः बाबा जो राम बाप है जो बच्चे हैं सब रुद्र माला के तो आखरी टाइम में जो तपस्या होगी तो बाप साथ में ही रहेंगे ना सबके।

बाबाः बच्चे होंगे तो साथ में रहेंगे, चच्चे होंगे तो कैसे साथ में रहेंगे?

जिज्ञासुः कैसे भी हो लेकिन बच्चे...

बाबाः कैसे भी कैसे हों? बता दिया - जो आत्मिक स्थिति में होंगे सो बच्चे।

जिज्ञासुः तो बना देंगे ना।

बाबाः बना कैसे? क्या कोई जादूगर है? यूं किया और बन जाएंगे? फिर तो 500 करोड़ को न बना दें? 500 करोड़ को बनाए ना फिर?

जिज्ञासुः नहीं, नहीं।

बाबाः नहीं, नहीं, क्यों? अरे, जो पुरुषार्थ करेंगे सो बनेंगे। जो पहचानेंगे सो बनेंगे। अपनी ही दुनियांदारी में लगे हुए हैं, देहभान की दुनियांदारी में लगे हुए हैं, निकलने वाले ही नहीं हैं तो कैसे बनेंगे?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः बाप ने बोला है ना एक कदम डालो तो सौ कदम बढ़ाएंगे।

बाबाः तो डालो ना।

Time: 31.25-32.30
Student: Baba, will the father Ram and all the children of the *Rudramala* be together during the *tapasya* that will take place in the last time?
Baba: If they are [real] children, they will be together [with the Father] and if they are not real children (*cacce*), then how can they be together?
Student: However they may be but the children...
Baba: How can [you say:] However they may be? It has already been told: those who are in soul conscious stage are the children.
Student: Baba will make them that, will He not?
Baba: How will He make them that? Is He a magician? Will He do like this (Baba is showing with gestures) and they will become [soul conscious]? Then should He not make 500 crore [souls soul conscious]? Then He should make the 500 crore [souls soul conscious], shouldn't He?
Student: No, no.
Baba: No, no. Why? *Arey*, those who make *purusharth* (spiritual effort) will become that. Those who recognize will become that. If they are busy in their own worldly affairs, if they are busy in the affairs of the world of body consciousness, if they do not come out [of it] at all, then how can they become that?
Student: The Father has said that if you place one step ahead, I will move hundred steps ahead.
Baba: Then take that step, why don't you? ... (to be continued.)

Extracts-Part-3

समयः 34.13-35.02

जिज्ञासुः बाबा, बुद्धि अगर कोई निश्चय पक्का कर लेता है, मगर अगर...

बाबाः मगर- मगर, अगर-मगर आ जाता है।☺

जिज्ञासुः मगर हम मन से जब सोचते हैं तो वो जो निश्चय किया हुआ है वो कमजोर पड़ जाता है।

बाबाः मन रूपी ब्रह्मा अच्छा या बुद्धि रूपी शंकर अच्छा ? ज्यादा ऊँचा कौन बैठा हुआ है? ऊँची कुर्सी पे कौन बैठा हुआ है? (सबने कहा - शंकर।) तो किसको फॉलो करना चाहिए मन को या बुद्धि को? अरे, किसकी बात माननी चाहिए? (जिज्ञासु - बुद्धि।) बुद्धि की बात माननी चाहिए।

Time: 34.13-35.02
Student: Baba, if the intellect develops a firm faith on a topic, but, if...
Baba: But but... ifs and buts emerge☺.
Student: But when we think through the mind, then that faith weakens.
Baba: Is the mind like Brahma better or is the intellect like Shankar better? Who is sitting higher? Who is sitting on a higher seat? (Everyone said: Shankar.) So, whom should you follow? The mind or the intellect? *Arey*, whom should you listen to? (Student: intellect.) You should listen to the intellect.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समयः 35.03-36.30

जिज्ञासुः बाबाजी, शंकरजी को समाधिस्थ बताते हैं। तो वो स्टेज कब की है?

बाबाः सम माना सम्पूर्ण, आधि माना नीचे। सम्पूर्ण नीचे गहराई में। उनसे जास्ती समंदर या सागर की गहराई में कोई जाता ही नहीं। इसलिए उनको सदा समाधि में कहते हैं।

जिज्ञासुः और फिर राख वाख फास्ते हैं अंग को ....

बाबाः राख खाते नहीं, राख लगाते हैं।

जिज्ञासुः हाँ, फास्ते है लगाते है...

बाबाः खाते हैं भगत लोग। राख खाते हैं भगत लोग और लगाते हैं शंकरजी। शंकरजी के सारे शरीर में जो राख लगी हुई है वो राख बनने की बात है। भक्तों ने लगाना शुरु कर दिया। इसलिए बाप पूछते हैं, कहते हैं - अब देखेंगे राख कौन बनते हैं और कितने बनते हैं और कोटों में से एक, लाखों में से एक ऐसे अपने को, देहभान को राख बनाने वाले कितने निकलते हैं वो भी देखेंगे।

जिज्ञासुः और वो भैंस पर, रेडे पर उनकी बारात बताते हैं - ऐसे कैसे वैसे भूत बाधा?

बाबाः वो सब यहीं बैठे हैं।☺

Time: 35.03-36.30

Student: Babaji, Shankar*ji* is said to be in a state of *samadhi* (profound meditation). So, that stage pertains to which time?

Baba: *Sam* means *sampoorna* (complete), *aadhi* means below. In complete depth. Nobody except him goes deeper than him in the ocean at all. This is why he is said to be always in *samadhi*.

Student: And he eats ash, etc.....

Baba: He does not eat ash (*raakh*); he applies ash [to his body].

Student: Yes, he applies it....

Baba: It is the devotees who eat it. The devotees eat ash and Shankar*ji* applies ash. The ash that is smeared on the entire body of Shankar*ji* is about becoming ash. The devotees started applying it. This is why the Father asks, He says: Now we shall see that who becomes ash and how many become ash and one among crores, one among lakhs, who emerges who will burn his body consciousness into ash, we will see that too.

Student: And they show him riding on a buffalo in his marriage party with ghosts, etc.

Baba: All of them are sitting here itself☺.

समयः 36.45-37.30

जिज्ञासुः बाबा, आज का वकील काला कोर्ट पहनने वाला होता है जो अन्याय को जानने वाला होता है।

बाबाः आज के वकील और आज के कोर्ट कचहरी न्याय-अन्याय को जानने वाले हैं? फिर तो भगवान को आने की दरकार ही नहीं। हैं? सत्य-असत्य को जानने वाले हैं?

जिज्ञासुः लेकिन उसको बोलते हैं अन्याय को जानने वाला है।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः बोलते हैं तो कौन बोलता है? आप बोलते हैं या भगवान बोलता है? भगवान तो मुरली में बोलता है आज के कोर्ट कचहरी और आज के जज और आज के न्यायालय ये हज्जाम हैं हज्जाम।

दूसरा जिज्ञासु: बाबा, हज्जाम माना क्या होता है?

बाबा: माथा मूढ़ने वाला।

Time: 36.45-37.30
Student: Baba, today's advocate wears black coat and knows injustice.
Baba: Do today's advocates and today's courts know about justice and injustice? Then there is no need for God to come at all. Do they [know injustice]? Do they know truth and untruth?
Student: They are said to know injustice.
Baba: They say; who says? Do you say it or does God say it? God says in the murlis that today's courts and today's judges, today's courts are barbers (*hajjaam*).
Student: Baba, what does *hajjaam* mean?
Baba: The one who shaves the head.

समयः 37.35-38.28

जिज्ञासुः कलियुगी शूटिंग जो है 2004 में खत्म हो गई, जो मेन आत्मा है नंबर वन की आत्मा उसके लिए। उसके बाद में अभी अंतराल का पीरियड चल रहा है। तो इस पीरियड में जो आत्माएं अभी नई आत्माएं भट्ठी करने के लिए जा रही हैं तो उसकी शूटिंग जो है, वहाँ से उसकी शूटिंग जहाँ से भट्ठी हो गई वहाँ से उसकी शूटिंग स्टार्ट होगी सतयुग, त्रेता, द्वापर, कलियुग की?

बाबाः जब जागे तब भोर।

जिज्ञासुः हाँ, जी, सतो, सतोसामान्य, रजो, तमो।

बाबाः जब जागे तब भोर। भोर माना सवेरा। सवेरा माना सतयुग। सतयुग माना सतोप्रधान शूटिंग।

जिज्ञासुः तो चार-चार साल की ही केल्कूलेशन में चलती रहेगी ना बाबा।

बाबाः सबके लिए चार साल नहीं होता है। जबसे जो ज्ञान में आता है तभी से शूटिंग शुरु होती है।

Time: 37.35-38.28
Student: The Iron Age shooting ended in 2004 for the main soul, the No.1 soul. After that the interval period is going on now. So, in this period, all the souls, the new souls which are going for *bhatti* now, does their shooting (rehearsal) of the Golden Age, the Silver Age, the Copper Age, the Iron Age start from the period they underwent *bhatti*?
Baba: Whenever you wake up it is dawn for you.
Student: Yes, the *sato, satosamanya, rajo* and *tamo*.
Baba: Whenever you wake up it is dawn for you. Dawn means morning. Morning means the Golden Age. The Golden Age means the *satopradhan* shooting.
Student: So, the calculation of four years each will continue for them Baba, will it not?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: It is not four years for everyone. The shooting begins from the time someone comes in knowledge.

समयः 42.50-44.30

जिज्ञासुः बाबा, कुछ दिन पहले मैने सपना देखा: हम आत्माएं बैठी हुई थीं आपकी राह देख रही थीं हम। फिर मैं दरवाज़े के पास आई। शिवबाबा को देखने, शिवबाबा आये। शिवबाबा के पांव मिट्टी से, रेती से भरे हुए थे। तो मैंने वो साड़ी के पल्लु से शिवबाबा के पांव पोंछे। बाबा के चरण में दो कमल फूल थे। मैंने वो उठाए और उसका सुगंध लिया। ये क्या है बाबा?

बाबाः जो आज के साधु संत महात्माएं होते हैं ना, कन्याएं-माताएं क्या करती हैं? उनके चरण धोके पीती हैं। माना उन साधु सन्यासियों के बुद्धि रूपी चरणों को साफ करने वाली कौन होती हैं? पुरुष होते हैं या कन्याएं माताएं? कन्याएं-माताएं। दुनियां की ऐसी कोई बात नहीं जो तेरे ऊपर लागू न होती हो। किसके ऊपर? (किसी ने कहा - प्रजापिता।) बाप के ऊपर। तो आपने अच्छा किया - उसके बुद्धि रूपी चरण धो दिये। मिट्टी ज्यादा लगी हुई थी देहभान की। खराब तो नहीं किया। लेकिन आपने ये भी देख लिया कि बुद्धि रूपी पांव जो हैं वो कमल फूल समान हैं। कमल फूल समान माना? जैसे कमल होता है, कीचड़ में रहता है लेकिन बुद्धि उपराम रहती है। ऐसी स्टेज वाला है।

Time: 42.50-44.30

Student: Baba, I saw a dream a few days ago: we all souls were sitting and were waiting for you. Then I came to the door to see Shivbaba. Shivbaba came; Shivbaba's feet were covered by soil, by sand. So, I cleaned Shivbaba's feet with a portion of my saree. There were two Lotus flowers at Baba's feet. I picked them up and smelt their fragrance. What is this Baba?

Baba: What do the virgins and mothers do to the present day sages and saints? They wash their feet and drink that water. It means who cleans the feet like intellect of those sages and saints? Is it the men or virgins and mothers? Virgins and mothers. There is nothing in this world which cannot be applicable to you. To whom? (Someone said: Prajapita.) To the father. So, you did a good thing, you washed his feet like intellect. There was a lot of soil of body consciousness. You did not do a bad thing. But you also saw that the feet like intellect are like the lotus flower. What is meant by being like lotus flower? For example, a lotus lives in mire, but the intellect remains detached. He is in such a stage. (Concluded.)

……

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info